

प्रेषक,

राकेश शर्मा,

प्रमुख सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

संस्कृति निदेशालय,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 06 जनवरी, 2011

विषय:- राष्ट्रीय जनजाति सम्मेलन-2010 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

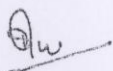
उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2294/सं0नि0उ0/दो-3/2010-11 दिनांक 03 जनवरी, 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या-851/VI-2 / 2010-71(7)/2010 दिनांक 27 दिसम्बर, 2010 के क्रम में 42- अन्य व्यय मानक मद के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि ₹150.00 लाख (एक करोड़ पचास लाख) में से राष्ट्रीय जनजाति सम्मेलन-2010, झाझरा, देहरादून में दिनांक 8 से 10 जनवरी, 2011 तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु ₹4,26,310.00 लाख (द्वार लाख छब्बीस हजार तीन सौ दस) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए ₹3,19,700.00 लाख (तीन लाख उन्नीस हजार सात सौ) मात्र के अग्रिम आहरण की स्वीकृति वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 के नियम 249 के अन्तर्गत छूट प्रदान करते हुए श्री राज्यपाल महोदय व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने से पूर्व शासन/सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- उक्त आयोजन में हुए वास्तविक व्यय के आधार पर अग्रिम का समायोजन सुनिश्चित किया जायेगा। साथ ही गत वर्ष स्वीकृत धनराशि का व्यय विवरण/समायोजन विषयक प्रमाण-पत्र भी शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

4- उक्त धनराशि का नियमानुसार इसी वित्तीय वर्ष में समायोजन कर लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा आयोजनोपरान्त वास्तविक व्यय के आधार पर मदवार व्यय विवरण देते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय।

5- इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।



6— उक्त धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि इसी कार्यक्रम के लिए उत्तराखण्ड शासन के किसी अन्य विभाग/भारत सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं करेंगे।

7— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-सांस्कृतिक कार्य निदेशालय-00-42-अन्य व्यय मानक मद के आयोजनागत पक्ष से वहन किया जायेगा।

8— उपरोक्त निर्देश वित्त विभाग के अ0शा0पत्र संख्या-841(पी)/XXXVII(3)/2010 दिनांक 05, जनवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

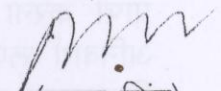
(राकेश शर्मा)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- 03 /VI-2/2011-71(7)2010 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1— महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2— वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3— निजी सचिव, मा0 संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4— वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5— बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6— एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 7— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(श्याम सिंह)
अनुसचिव।